मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरादेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 91 | जयपुर, मंगलवार, 12 नवम्बर, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

दैनिक मृदुल पत्रिका | राजस्थान | मंगलवार, 12 नवम्बर, 2024 http://mridulpatrika.com | 3 | जयपुर

जयपुर सीरी के परिसर में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का कर्टन रेजर

आईआईटी-गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा विज्ञान महोत्सव आईआईएसएफ-2024

पिलानी/जयपुर (बाबूलाल घोघलिया/ मृदुल पत्रिका)। आईआईटी-गुवाहाटी में आगामी 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित विज्ञान महोत्सव इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का कर्टन रेज़र सीएसआईआर-सीरी के जयपुर परिसर में आयोजित किया गया। कर्टन रेज़र कार्यक्रम ने भारत के वैज्ञानिक समुदाय को 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर प्रेरित किया। इस आयोजन में नवाचार, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न गणमान्य अतिथियों और विशेषज्ञों ने इस बात पर चर्चा की कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किस प्रकार भारत के परिवर्तन में सहायक सिद्ध हो सकती हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा और विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान भारती, राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा उपस्थित थे, अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। आईआईएसएफ के समन्वयक, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम के निदेशक डॉ. सी. आनंदरामकृष्णन ने सीएसआईआर की भारत में प्रभावी वैज्ञानिक कार्यक्रमों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने इस वर्ष की प्रेरक थीम, भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संचालित वैश्विक निर्माण केंद्र में बदलना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह थीम स्वतंत्रता दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन से प्रेरित है।

इससे पूर्व सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि सीएसआईआर इस आयोजन के लिए तीसरी बार समन्वय एजेंसी की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईएसएफ न केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह आम जनता के लिए विकास के नए अवसरों को प्रस्तुत करने का एक मंच भी है। उन्होंने आईआईएसएफ को भारत में विज्ञान की एकता और गर्व का प्रतीक बताते हुए आईआईटी-गुवाहाटी में आयोजित होने वाले इस विज्ञान महोत्सव में व्यापक भागीदारी का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि एवं विज्ञान भारती राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा ने बताया कि आईआईएसएफ एक ऐसा मंच है जो परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाता है। उन्होंने कहा कि आईआईएसएफ 2024 के लिए अब तक 5000 से विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों ने पंजीकरण करवा लिया है जो प्रतिभागियों के उत्साह का प्रमाण है।

कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-सीरी जयपुर कैंपस के प्रभारी वैज्ञानिक श्री साईं कृष्ण वड्डादि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय चटर्जी ने किया, और आयोजन का समन्वयन संस्थान के पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तंवर ने किया। मीडिया से चर्चा करते हुए श्री प्रमोद तँवर ने कहा कि उत्तर-पूर्वी भारत में पहली बार आयोजित होने वाला यह महोत्सव समावेशिता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रतीक बनेगा, जिससे भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित परिवर्तनकारी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी।

इस कार्यक्रम में आरटीयू, कोटा के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह, एमएलएस विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे.पी. शर्मा, आईसीएआर-सीआईएएच, बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे, आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक और डीयूबीएएस विश्वविद्यालय, मथुरा के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केएमएल पाठक, आईसीएआर-रैपसीड-मस्टर्ड रिसर्च निदेशालय, भरतपुर के निदेशक डॉ. पी.के. राय सहित सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक व तकनीकी कर्मचारी शामिल थे। इसके अलावा हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं कॉलेजों के विद्यार्थी एवं अन्य लोग भी उपस्थित हुए।